केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 126 शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दो ट्रकों की भिड़न्त में एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती–गोरखपुर हाईवे पर पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के सबदेइया फ्लोर मिल के सामने गुरुवार शाम दो ट्रकों की जबरदस्त टक्कर हो गई है। इसमें एक कार भी जा भिड़ी। हादसे में एक की मौत की पुष्टि पुलिस कर रही है। चार से पांच लोगों की हालत बेहद गंभीर है। मरने वालों की संख्या तीन से चार के बीच हो सकती है। मौके पर पहुंची पुलिस बचाव कार्य में जुटी है। घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया है।

जमीन मामले में लेखपाल को फावड़ा लेकर दौड़ाने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

छावनी (बस्ती)। थानाक्षेत्र में बंजर जमीन से कब्जा करने से रोकने पर एक युवक ने लेखपाल को फावड़ा लेकर दौड़ा लिया। मामला थानाक्षेत्र के लोनियापार गांव का है। बताया जा रहा कि आरोपी युवक नशे में ध ुत था। लेखपाल की शिकायत पर एसडीएम हर्रैया विनोद कुमार पांडेय ने निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। विक्रमजोत ब्लाक क्षेत्र में अमोढ़ा ग्राम पंचायत के राजस्व गांव लोनियापार में बंजर जमीन पर कब्जा करने से रोकने पर कब्जा कर रहा एक युवक आक्रोशित होकर लेखपाल को अपशब्द कहने लगा। जिसके बाद कार्रवाई की बात पर लेखपाल वीरेन्द्र कुमार सरोज को फावड़ा लेकर मारने के लिए दौड़ा लिया। लेखपाल ने भागकर किसी तरह जान बचाई।

आरोपी युवक नींव डालकर जमीन पर कब्जा कर रहा था। इस मामले की शिकायत लेखपाल वीरेन्द्र कुमार सरोज ने छावनी थाने पर की है। इस बाबत थाना प्रभारी विजय दूबे ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है, एसडीएम हर्रैया ने मामले को संज्ञान में लिया है।

युवक की मौत के बाद जागा बिजली विभाग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। युवक की जान जाने के बाद बिजली विभाग की नींद टूटी है। घटना स्थल से गुजर रही 11 केवी लाइन को अब ऊंचा कराया गया है। विभाग ने तार को ऊंचा करने के लिए पोल पर ऐंगिल लगाकर अब तार को ऊंचा कर मानक के अनुसार कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग ने अगर पहले ही मानक विहीन इस लाइन को ऊंचा करा दिया होता तो युवक की जान जाने से बच सकती थी। लालगंज थानाक्षेत्र के अमरौना निवासी रोहित यादव (20) पुत्र ह्दयराम पांच नवम्बर को अमरौना बाजार में एक वेल्डिंग की दुकान पर काम से गया था। उसके हाथ में लोहे का पाइप था। किसी कारण से पाइप ऊपर से गुजर रही 11 केवी लाइन से छू गया। करंट लगने के बाद रोहित यादव जमीन पर गिर पड़ा।

स्थानीय लोग उसे ओपेक अस्पताल कैली लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। विद्युत विभाग की ओर से घटना की जानकारी विद्युत सुरक्षा विभाग को दी गई। सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा ब्रजेश यादव ने मौके पर पहुंचकर जब जमीन से तार की ऊंचाई को नपवाया तो वह मानक से कम पाई गई।

हालांकि उस समय विभाग का कहना था कि लोगों ने मौके पर मिट्टी की पटाई कर ली है, जिससे तार की ऊंचाई कम हुई है। घटना के बाद विभाग ने अपनी गलती मानते हुए सुरक्षा की दृष्टि से पोल पर एंगल लगवाकर तार की ऊंचाई बढ़वा दिया है।

चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन

रांची (आभा)। विधानसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन की जीत के बाद हेमंत सोरेन ने चौथी बार झारखंड के सीएम की बागडोर संभाली। उन्होंने 14वें मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार शाम को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में 49 वर्षीय आदिवासी नेता हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ लेने से पहले, कुर्ता–पायजामा पहने सोरेन ने झामुमो अध्यक्ष और अपने पिता शिबू सोरेन से मुलाकात की। अर्जुन मुंडा और शिबू सोरेन तीन–तीन बार सीएम बन चुके हैं। हेमंत का तीसरा कार्यकाल अब चार जुलाई 2024 से 28 नवंबर 2024 तक माना जाएगा।

शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन की ताकत दिखी। शपथ ग्रहण के मौके पर इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कई कद्दावर नेता मौजूद रहे।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, आप नेता अरविंद केजरीवाल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, तमिलनाडु से उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'जिस जनता ने चुनकर दोबारा सरकार बनाई है, मैं उनका बहुत आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन और हेमंत सोरेन जी को एक बार फिर मौका दिया है, झारखंड को तरक्की के रास्ते पर लाने के लिए। जनता ने बहुत समझदारी से एक प्रोग्रेसिव सरकार को चुना है।

शपथ के साथ प्रियंका ने शुरू किया नई पारी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की आज से संसदीय लोकतंत्र की पारी शुरू हो गई है वायनाड से चार लाख से ज्यादा मतों से जीतकर प्रियंका लोकसभा पहुंची हैं। आज वह लोकसभा में पद एवं गोपनीयता की शपथ लीं। संसद भवन पहुंचने पर प्रियंका गांधी ने कहा कि वह बेहद खुश हैं। प्रियंका मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी के साथ संसद भवन पहुंची थीं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनका नाम पुकारा जिसके बाद वह हाथ में संविधान का किताब लेकर पहुंची और शपथ लीं।

वायनाड में राहुल गांधी की खाली की गई सीट पर हुए वायनाड उपचुनाव में प्रियंका ने 4 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने प्रियंका को वायनाड से प्रत्याशी बनाया था। इस तरह अब गांधी परिवार की तीन लोग संसद में दिखने लगेंगे।

राहुल गांधी रायबरेली से सांसद हैं, प्रियंका वायनाड से सांसद चुनी गई हैं जबकि सोनिया गांधी राज्यसभा की सांसद हैं। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हुआ है। यह 20 दिसंबर तक चलेगा। माना जा रहा है कि प्रियंका अब भाई राहुल के साथ लोकसभा में केंद्र सरकार को घेरेंगी। संसद में पहुंचे से पहले भी प्रियंका गांधी लगातार मोदी सरकार के कामकाज पर सरकार को घेरती रही हैं।

प्रियंका ने हिमाचल से लेकर केरल और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जमकर प्रचार किया था। प्रियंका ने तेलंगाना में भी प्रचार की कमान संभाली थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला आज उन्हें शपथ दिलावाएंगे। इस बीच विपक्षी दल मोदी सरकार को आज अडानी से लेकर महंगाई के मुद्दे पर घेरने की रणनीति बना चुका है।

लोकसभा चुनाव में भी प्रियंका गांधी ने अपने भाई राहुल के साथ मिलकर पूरे देश में प्रचार किया था। वो केंद्र के कई मुद्दों की काफी आलोचना करती रही हैं। अब बतौर सांसद वो सदन में मोदी सरकार के कामकाज को लेकर हमले करेंगी।

मेडिकल कालेज में निजी पैथालोजी संचालकों का रैकेट सक्रिय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा इकाई ओपेक चिकित्सालय कैली में निजी पैथालोजी संचालकों का रैकेट सक्रिय है। उनकी पहुंच वार्डों में मरीज के बेड तक है। इस काम में वहां तैनात डॉक्टरों का एक वर्ग भी करता है, जो मरीज की बीएसटी पर जांच लिखकर बाहर का रास्ता दिखा देता है। बाहर की पैथॉलोजी में साधारण जांच भी 500 रुपये से 1500 रुपये तक पहुंच जा रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा बिचौलियों और कमीशनखोरों को मिल रहा है। इसका नजारा ओपेक अस्पताल के बालरोग विभाग के पीआइसीयू वार्ड में दिखा, जहां पर प्राइवेट पैथालॉजी का आदमी ब्लड सैंपल लेते दिखाई दिया। जबकि मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने इस पर कड़ाई से रोक लगाई थी, उनके रोक का असर भी नहीं दिख रहा है।

वार्ड में भर्ती मरीज के तीमारदार ने रोते–बिलखते हुए बताया कि उसके आठ वर्षीय बच्ची को खून की उल्टी और बुखार को शिकायत है। उसे 22 नवंबर से वार्ड में भर्ती कराया गया था। चिकित्सक ने जांच के लिए प्राइवेट पैथालॉजी का परामर्श दिया। भर्ती मरीज के तीमारदार ने बताया कि निजी पैथॉलोजी का वर्कर सैंपल लेकर चल गया था।

जांच रिपोर्ट नहीं मिलने पर बुधवार को पीआइसीयू वार्ड में मौजूद तीमारदार ने पूछताछ की। इस पर बताया कि जांच के लिए सैंपल कम था। अब फिर दे सैंपल देना पड़ेगा। वार्ड में भर्ती मरीजों ने बताया आए दिन निजी पैथालॉजी के वर्कर वार्ड में आते हैं और चिकित्सक के सामने मरीजों का सैंपल व तीमारदार से रकम लेकर चले जाते हैं।

इस बाबत किसी ने प्रतिवाद किया तो वहां मौजूद चिकित्सक व इंर्टन शिकायत को अनसुना कर देते हैं और वे निजी पैथॉलोजी संचालकों का ही साथ देते नजर आते हैं। इसकी पुष्टि बुधवार को जांच के दौरान हुई, जब एक इंटर्न ने विरोध करने वाले को धमका दिया। इस बाबत सीएमएस समीर श्रीवास्तव ने प्रकरण की जानकारी नहीं है, इसकी जांच कराई जाएगी।

निर्माणाधीन फोरलेन पर अतिक्रमण बरकरार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बड़ेबन से कंपनीबाग तक निर्माणाधीन फोरलेन पर अभी भी जगह–जगह अतिक्रमण बरकरार है। अतिक्रमण कर बनाए गए भवन व दुकानों को बचाने के लिए कुछ जगहों पर सड़क का नाला तक मोड़ दिया गया है। इसी के साथ नाले व भवन के बीच कई जगहों पर फुटपाथ बनाने के लिए जगह नहीं बची है। कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग की ओर से जैसे–तैसे काम को निपटाया जा रहा है। हाईवे को शहर से जोड़ने वाली सड़क बड़ेबन–कम्पनी बाग के चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। सड़क के दोनों ओर चौड़ीकरण के साथ ही उससे सटे नाले का निर्माण कराया जा रहा है। नाले के बाद पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ बनाया जाएगा। विभाग का कहना था कि कुछ जगहों को छोड़कर शेष जगहों पर चौड़ीकरण के लिए पर्याप्त जगह है। जहां पर जगह कम या अतिक्रमण है, वहां पर अतिक्रमण हटाकर सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर सड़क पर हुए अतिक्रमण को नजरअंदाज कर जैसे–तैसे सड़क का निर्माण करा दिया गया है। सड़क पर खड़े होकर देखने से यह साफ नजर आ रहा है। जिस तरह से काम हो रहा है, उसमें सड़क तो बन जाएगी, लेकिन फुटपाथ गायब हो जाएगा।

शहर के कटरा, गांधीनगर निवासी इकरामुद्दीन ने मंडलायुक्त को शिकायती–पत्र देकर बड़ेबन–कम्पनी बाग मार्ग पर प्राइमरी कन्या पाठशाला कटरा से सटे सड़क पर अतिक्रमण कर बनाए गए भवन को हटवाए जाने की मांग की है।

बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक पर धोखाधड़ी का मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोर्ट के आदेश पर दुबौलिया पुलिस ने तत्कालीन शाखा प्रबंधक समेत दो लोगों के खिलाफ पैसा हड़पने के आरोप में केस दर्ज किया है। दुबौलिया थाने के कैथोलिया निवासी पारसनाथ चौधरी ने तहरीर में बताया है कि दस मार्च 2016 को भारतीय स्टेट बैंक शाखा चिलमा बाजार बस्ती में उन्होंने केसीसी के लिए खाता खुलवाया। इसमें बैंक ने एक लाख पांच हजार रुपये का केसीसी का लोन स्वीकृत किया। उनका इसी बैंक में एक दूसरा चालू खाता भी था, जिसमें कुछ रुपये जमा थे। आरोप है कि नौ दिसंबर 2020 को जब अपने दूसरे खाते से पैसा निकालने गए गए तो स्टेट बैंक आफ इण्डिया शाखा चिलमा बाजार बस्ती के तत्कालीन फील्ड अफसर सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रार्थी से एक विड्राल फार्म पर उनका हस्ताक्षर कराया। प्रार्थी की केसीसी खाता में ऋण के भुगतान के लिए एक लाख 22 हजार रुपये भरवाया। केसीसी खाते में बकाये ऋण का सम्पूर्ण भुगतान ले लिया।

इसके बाद उन्होंने केसीसी लोन का नो–ड्यूज देने के साथ पासबुक खाता देकर बंद कर दिया। 12 नवंबर 2022 को लोक अदालत में उपस्थित होकर केसीसी लोन की अदायगी के बारे में सूचित किया गया। पता चला कि उनके केसीसी खाते का ऋण समाप्त नहीं हुआ है। आरोप है कि कपटपूर्ण तरीके से उनके स्तर से जमा किया गया एक लाख 22 हजार रुपया खाते में जमा नहीं किया गया और उसे हड़प लिया गया।

कोर्ट के आदेश पर दुबौलिया पुलिस ने सुरेन्द्र प्रताप सिंह तत्कालीन फील्ड अफसर भारतीय स्टेट बैंक शाखा चिलमा बाजार और तत्कालीन शाखा प्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक शाखा चिलमा बाजार के खिलाफ ध ोखाधड़ी कर पैसा हड़पने के आरोप में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जबरिया खेत जोतने का आरोप पीड़ित ने लगाया न्याय की गुहार

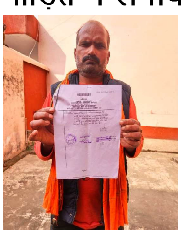

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलवारी थाना क्षेत्र के भेड़वा निवासी मनोज कुमार पाण्डेय ने उप जिलाधिकारी बस्ती सदर को पत्र देकर स्थगन आदेश के बावजूद जबरिया खेत की जोताई किये जाने, विरोध करने पर गालियां देते हुये जान से मार देने की धमकी देने की शिकायत करते हुये न्याय की गुहार लगाया है। मनोज कुमार के पत्र पर एसडीएम सदर ने सी.ओ. कलवारी को निर्देश दिया है कि न्यायालय के आदेश का अनुपालन मौके पर कराया जाय।

भेड़वा निवासी मनोज कुमार के अनुसार कलवारी पुलिस स्थगन आदेश का पालन कराने में रूचि नहीं ले रही है। विपक्षी गांव के ही रामनरायन, प्रेम नरायन, विनोद कुमार और सत्य नरायन जबरिया ट्रैक्टर मालिक वेद प्रकाश मिश्र से खेतों की जुताई करा रहे हैं। पुलिस इस मामले में शांति भंग की कार्रवाई कर चुकी है। मनोज कुमार ने उच्चाधि ाकारियों से मांग किया है कि न्यायालय के आदेश के अनुरूप सम्पत्ति की नवइयत न बदला जाय और जब तक स्पष्ट आदेश नहीं आ जाता फसल को जोतने बोने से रोका जाय।

स्मृति बाटिका यशोभूमि का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को बस्ती सदर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत मरहा में स्थित स्मृति स्थल, स्मृति बाटिका यशोभूमि का लोकार्पण ग्राम प्रधान लालता प्रसाद यादव ने किया। स्मृति बाटिका में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम फेर वर्मा उर्फ अमर सिंह और प्रथम ग्राम प्रधान कुन्जल यादव का शिलापट लगाया गया है। लालता प्रसाद यादव ने कहा कि इससे ग्राम पंचायत की नई पीढी को अपने इतिहास का बोध होता रहेगा। गांव के लोग ऐसी विभूतियों से प्रेरणा लेंगे जिन्होने देश समाज के लिये अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान रंजीत चौधरी, सियाराम चौधरी, राहुल यादव, घनश्याम यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिल कुमार यादव, के साथ ही सत्येन्द्र सहाय, सुषमा सिंह, राम प्रसाद सिंह, राम पूजन भारती, मीना, कृष्णनाथ चौध ारी, सूरज यादव के साथ ही अनेक नागरिक, शिक्षक और सम्भ्रान्त लोग, स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

जे.सी.बी. लगाकर तोड़वा दिया आर.सी.सी. रोडः सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापनः दोषियों पर कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । साऊंघाट विकास खण्ड के ग्राम पंचायत छितही प्रहलाद में राहुल शर्मा के घर से पटेल इण्टर कालेज एवं नहर तक छात्रों के हितों के लिये निर्माण करवाया गया। गांव के मोतीलाल पुत्र राम प्रसाद के विरोध पर बिना कोई सूचना दिये आर.सी.सी. रोड को हल्का लेखपाल और कानूनगो द्वारा जे.सी.बी. लगाकर तोड़वा दिया गया। ग्राम प्रधान नीलम देवी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर कहा है कि मोतीलाल पुत्र राम प्रसाद ने सड़क और नाली पर जबरिया कब्जा भी कर रखा है । विरोध करने पर वे मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। मामले की जानकारी उप जिलाधि ाकारी रूधौली को भी दिया गया है । यही नहीं ग्राम प्रधान के पति अभिमन्यु चौधरी और जेठ विश्वनाथ पर फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया गया। थाने पर भी कोई सुनवाई नहीं की गई।

इन सवालों को लेकर गुरूवार को सरदार सेना के जिलाध यक्ष विनय चौधरी, जिला उपाध यक्ष अखिलेश प्रजापति के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। सरदार सेना प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल के मांग किया कि समूचे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई के साथ ही ग्राम विकास अधिकारी राकेश कुमार पाण्डेय जो 3 वर्षो से एक ही स्थान पर जमें हैं उनका किसी अन्य ब्लाक में स्थानान्तरण कराया जाय। उनकी कार्य शैली से ग्रामीणों में रोष है।

ज्ञापन देने वालों में अभिषेक चौधरी, शिवेन्द्र प्रधान, अनिल चौध ारी, बहरैची चौधरी, राम प्रताप, प्रदीप कुमार, बंशीलाल चौधरी, बुद्धिराम यादव, अशोक कुमार चौधरी, रामशंकर यादव, शैलेन्द्र कुमार, शहजाद अंसारी, हरिश्चन्द्र चौधरी, अमरजीत के साथ ही सरदार सेना के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

यूपी पुलिस को मिली सुप्रीम चेतावनी

नई दिल्ली (आभा)। यूपी पुलिस के काम करने और केस को निपटाने के तरीके पर सुप्रीम कोर्ट भड़क गया। यूपी पुलिस को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर याचिकाकर्ता को छुआ गया तो ऐसा आदेश पारित करेंगे कि डीजीपी को जिंदगी भर याद रहेगा। कोर्ट ने कहा, यूपी पुलिस सत्ता का आनंद ले रही है, उसे संवेदनशील बनाने की जरूरत है। यूपी पुलिस खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। गैंगस्टर अनुराग दुबे की गिरफ्तारी से पहले जमानत अर्जी की सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां ने यह टिप्पणी की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता अनुराग दुबे के खिलाफ पुलिस ने कई एफआईआर दर्ज की हैं। उसको डर है कि अगर वह जांच के लिए पेश हुआ तो उसके खिलाफ नया मामला दर्ज किया जाएगा। कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए कहा, याचिकाकर्ता को जांच अधिकारी द्वारा उसके मोबाइल फोन पर दिए गए किसी भी नोटिस का पालन करना चाहिए, हालांकि कोर्ट की अनुमति के बिना उसे पुलिस हिरासत में नहीं लिया जाएगा। याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राणा मुखर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि कोर्ट के पिछले आदेश के बाद याचिकाकर्ता को नोटिस भेजा गया, लेकिन वह जांच अधिकारी सामने पेश नहीं हुआ। इसके बजाय हलफनामा भेजा। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा, याचिकाकर्ता शायद इस डर में जी रहा है कि यूपी पुलिस उसके खिलाफ एक ओर झूठा मामला दर्ज कर देगी।

यूपी पुलिस की ओर से पेश हो रहे वकील से सुप्रीम कोर्ट के जज ने पूछा आप कितने मामले दर्ज करेंगे? यूपी पुलिस पर भड़कते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा, आप अपने डीजीपी को बताएं, अगर याचिकाकर्ता दुबे को छुआ तो हम ऐसा आदेश पारित करेंगे जो जिंदगी भर याद रहेगा। हर बार आप उसके खिलाफ एक नई एफआईआर लेकर आते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दुबे के वकील से पूछा कि वे क्यों पेश नहीं हो रहे हैं। इस पर वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके पास इस संबंध ा में कोई निर्देश नहीं है। हालांकि दुबे ने पुलिस अफसरों को अपना मोबाइल नंबर दिया है, जिससे वे उसे सूचित कर सकें कि उसे कब और कहां पेश होना है?

गैंगस्टर अनुराग दुबे को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पुलिस को आदेश दिया कि अग्रिम जमानत पर सुनवाई होने तक अनुराग दुबे की गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगर पुलिस को लगता है कि खास मामले में गिरफ्तारी जरूरी है तो उसके लिए पहले कोर्ट से अनुमति लेनी होगी और कारण भी बताने होंगे। यूपी पुलिस की पक्ष रख रहे वकील से सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर पुलिस अधिकारी ऐसा कर रहे हैं तो कोर्ट उनके और उनके अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे।

किसानों को नहीं मिल पा रहा है फसल बीमा का लाभः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । केन्द्र और राज्य सरकार के दावों के बावजूद प्रभावित किसानों को बीमा कम्पनियों से समय पर सहायता राशि नहीं मिल पा रही है। इन सवालों को लेकर गुरूवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर. के. आरतियन के नेतृत्व में जिलाधि ाकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया। मांग किया गया कि बीमित किसानों को नियमानुसार ब्याज सहित समय से भुगतान कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन और राम सुमेर यादव ने बताया कि किसानों को फसल बीमा की रकम लेने में वर्षों लग जा रहे हैं। वे बैंकों का चक्कर काटते–काटते परेशान हो जाते हैं किन्तु बीमा कम्पनी, कृषि विभाग और बैंकों की उदासीनता के कारण किसानों को फसल बीमा राहत की रकम नहीं मिल पा रही है। हृदय गौतम, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने कहा कि बस्ती जनपद के हजारों किसान बीमा राहत की रकम का इंतजार कर रहे हैं। नेताद्वय ने सरकार से मांग किया कि फसल बीमा की प्रक्रिया को सहज बनाया जाय जिससे किसानों को बाढ, सूखा, ओला पड़ने आदि की स्थिति में सरकार द्वारा घोषित राहत की समय समय से उनके खातों में पहुंच सके। नेताद्वय ने कहा कि बीमा कम्पनियां किसानों के खातों से प्रीमियम का रकम तो हासिल कर लेती है किन्तु राहत की धनराशि देने में वर्षो लग जाते हैं और बिलम्ब पर बीमा कम्पनियां दिशा निर्देश के बावजूद ब्याज सहित भुगतान नहीं कर रही है।

ज्ञापन देने वालों में विनय कुमार, कृपाशंकर चौधरी, प्रेम कुमार, प्रेम कुमार, प्रीतम कुमार आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक **भारतीय बस्ती**

बस्ती 29 नवम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

बांग्लादेश में जुल्म

बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन और उनके भारत में शरण लेने के बाद अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर जिस तरह लगातार हमले हो रहे हैं, इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी उसकी अगली कड़ी है। दास की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके वकील की निर्मम हत्या असहिष्णुता की पराकाष्ठा को ही दर्शाती है। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि वहां अल्पसंख्यक किन भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इतना ही नहीं धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे लोगों पर हमले तक किए गए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के पैरोकार दास को कथित रूप से बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने तथा राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने के कारण बांग्लादेश और सीमा पार भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। दरअसल, इस अशांति का संदर्भ लगातार अल्पसंख्यक उत्पीड़न के पैटर्न में निहित हैं। बांग्लादेश के संवैधानिक आश्वासन के बावजूद वहां के हिंदू, जो कि आबादी का लगभग नौ फीसदी हैं, लगातार हिंसा, बर्बरता और सामाजिक उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। वहां हिंदुओं के घरों व मंदिरों पर भीड़ पर हमलों की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। जिसमें हसीना सरकार के पतन के बाद खासी तेजी आई है। आधिकारिक रूप से इस्लामिक धर्म वाले इस देश में यह स्थिति अल्पसंख्यकों की व्यापक असुरक्षा को दर्शाती है। अल्पसंख्यक संगठनों द्वारा सुरक्षा की गुहार लगाये जाने के बाद विश्वास बहाली की जिम्मेदारी कार्यवाहक सरकार पर है। जिसका दायित्व बनता है कि उत्पीड़न के शिकार लोगों को न्याय दिलाने के लिये विशेष न्यायाधिकरण के जरिये यथाशीघ्र कार्रवाई करे। यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो अशांति के बढ़ने का खतरा बना रहेगा। मौजूदा घटनाचक्र से बांग्लादेश की प्रगतिशील लोकतंत्र की छवि कमजोर हुई है। निस्संदेह, वहां सभी अल्पसंख्यकों के लिये शांति और सुरक्षा एक जीवंत वास्तविकता होनी चाहिए। ढाका सरकार को छात्र आंदोलन के जरिये हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद पनप रही कट्टरता पर अंकुश लगाना चाहिए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लगातार उत्पीड़न के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं गाहे–बगाहे आती रही हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर गंभीर चिंता जतायी थी। यहां तक कि ट्रांसपेरंसी इंटरनेशनल ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों पर बढ़े हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। रिपोर्ट में हसीना सरकार के पतन के बाद के एक पखवाड़े में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के दो हजार से अधिक मामलों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट इस बात पर भी चिंता जताती है कि ऐसे मामलों में अपराधियों की पहचान होने के बावजूद उन्हें दंडित नहीं किया गया। बल्कि इसके बहाने राजनीतिक विरोधियों को ही निशाना बनाया गया। ऐसी हिंसा के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की तरफ से भी तल्ख प्रतिक्रिया दर्ज की गई है। यह विडंबना ही है कि जिस बांग्लादेश की स्थापना भारत के त्याग व बलिदान के चलते एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, आज वहां यूनस सरकार उन मूल्यों को ताक पर रख रही है। भारत सरकार के विरोध के बावजूद यूनस सरकार किसी भी तरह से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी देने को तैयार नहीं है। बांग्लादेश का इतिहास बताता है कि जब–जब सेना के हाथ में सत्ता की बागडोर आई है, तो कट्टरपंथियों को संरक्षण मिला है। ऐसे में फौज द्वारा गठित अंतरिम सरकार से इस दिशा में किसी बड़ी पहल की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। भारत सरकार को राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों से अंतरिम सरकार पर दबाव बनाना होगा ताकि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दे। तभी कट्टरपंथियों की निरंतर जारी हिंसा पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा सकती है। इसके साथ ही पाक समर्थित कट्टरपंथी संगठनों पर भी नियंत्रण करने के लिये दबाव बनाने की जरूरत है। वैसे अंतरिम सरकार के अड़ियल रवैये को देखते हुए बहुत ज्यादा उम्मीद इस दिशा में नजर नहीं आ रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का दबाव इस दिशा में एक उपाय हो सकता है।

रेवड़ियों की मिठास के पीछे छिपी कड़वाहट

—विश्वनाथ सचदेव—

किसको किसने कितनी रेवड़ियां बांटी, यह सवाल भले ही किसी लंबी–चौड़ी गणना की अपेक्षा करता हो, पर यह बात सब मान रहे हैं कि हाल के चुनावों में खूब रेवड़ियां बंटी। नहीं, चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाता को चुपचाप बांटे जाने वाले रुपयों की बात नहीं है, बल्कि उन रेवड़ियों की बात हो रही है जिन्हें बांटने वाले लंबी–चौड़ी घोषणाओं के साथ बांटते हैं। चुनाव–परिणाम का विश्लेषण करने वाले जिस एक बात पर सहमत दिखाई देते हैं, वह यह है कि इन रेवड़ियों ने परिणामों पर निर्णायक प्रभाव डाला है। ऐसी ही एक रेवड़ी को महाराष्ट्र में 'लाड़की बहीण' के नाम से जोड़ा गया है और झारखंड में इसे 'मंइयां सम्मान योजना' नाम दिया गया है।

भाजपा का दावा है कि सबसे पहले मध्य प्रदेश में 'लाड़ले मामा' ने अपनी 'लाड़ली बहनों' को प्रतिमाह नकद राशि देने की घोषणा की थी, और इसे चुनाव–परिणामों पर निर्णायक प्रभाव डालने वाला कदम बताया गया था। अब महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुती' ने ऐसा ही किया और यह दावा किया जा रहा है कि महाराष्ट्र की जीत में इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण हाथ रहा है। वैसे महाराष्ट्र की 'महाअगाड़ी' ने भी भाजपा के 1500 रुपये प्रति माह के योगदान को बढ़ाकर 3000 करने का वादा किया था, पर मतदाता ने बैंक खाते में जमा हो चुके रुपयों का भरोसा करना बेहतर समझा। कहा तो यह भी जा रहा है कि महाराष्ट्र के चुनावों को दो माह इसलिए टाला गया था कि महिलाओं के बैंक खातों में 'रेवड़ियां' पहुंच जाएं तो बेहतर परिणाम आएगा।

बहरहाल, कारण और भी हो सकते हैं, पर इससे परिणाम पर 'रेवड़ियों' के असर का महत्व कम नहीं हो जाता। यह रेवड़ियां बांटना कोई नयी बात नहीं है। शायद इसकी शुरुआत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य की लड़कियों को साइकिलें बांटने से हुई थी। फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो बिजली, पानी, आदि मुफ्त बांटकर जैसे एक नयी परंपरा ही शुरू कर दी थी रेवड़ियां बांटने की! बिहार, उड़ीसा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में तो यह काम प्रतिस्पर्धा की तरह हुआ।

ऐसा नहीं है कि इस 'मुफ्तखोरी' की आलोचना नहीं हुई। मतदाता को आर्थिक सहायता देने की इस प्रथा की आलोचना स्वयं प्रधानमंत्री मोदी कर चुके हैं। शायद इस तरह मतदाता को रिझाने की कोशिश को रेवड़ियां बांटने की संज्ञा भी उन्होंने ही दी थी। यह बात दूसरी है कि अब वे स्वयं मतदाता को इस तरह रिझाने के पक्षधर बन गये लगते हैं।

यूं तो चुनाव घोषणापत्रों में जो वादे किये जाते हैं, उन्हें भी मतदाता को दी जाने वाली रिश्वत कहा जा सकता है, पर इस तरह नकद राशि बांटने को किसी और तरह से नहीं समझाया जा सकता। रेवड़ियां बांटने वाले इस रिश्वत को कल्याणकारी राज्य के अनुरूप आचरण बताते हैं। हम भले ही आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था बनने का दावा करते हों, पर इस हकीकत से मुंह नहीं चुराया जा सकता कि आज हमारे देश की अस्सी प्रतिशत आबादी को सरकार की ओर से मुफ्त अनाज देकर उसका पेट भरा जा रहा है। सरकार भले ही इसे कुछ भी कह ले, पर यह तथ्य यही बताता है कि गरीबी हटाओ के सारे दावों और वादों के बावजूद आज भी स्वतंत्र भारत का नागरिक अपने श्रम से अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने लायक नहीं बन पाया है। आजादी के शुरुआती सालों में तो यह बात फिर भी समझ आती थी कि नया देश नई चुनौतियों का मुकाबला कर रहा था, हालात सुधारने में वक्त लगना था। पर आजाद होने के सत्तर–अस्सी साल बाद भी यदि देश की जनता रेवड़ियों से रिझाई जा सकती है तो इसका सीधा–सा मतलब यही है कि हमारी नीतियों–रीतियों में कहीं कुछ गंभीर गड़बड़ है। हमारी त्रासदी यह भी है कि गड़बड़ी का पता लगाने और उसे ठीक करने की ईमानदार कोशिश करने के बजाय हम रेवड़ियां बांटकर काम चलाना चाहते हैं।

ऐसा नहीं है कि आजादी के इन सत्तर–अस्सी सालों में हमने कुछ किया नहीं है। बहुत कुछ अर्जित किया है हमने। चांद–सितारों को छू रहे हैं हमारे हाथ। पर जितना कुछ किया है, उससे कई गुना अधिक किया जाना बाकी है। अपनी उपलब्धियों पर गर्व कर सकते हैं हम, पर हमें यह नहीं भूलना है कि जितना रास्ता हमने पार किया है, उससे कई गुना लंबा रास्ता अभी पार करना बाकी है। विकसित भारत के सपने देख रहे हैं हम, पर हम यह याद रखना नहीं चाहते कि सबका साथ और सबका विकास की चुनौती तभी स्वीकार की जा सकती है जब हमारी कोशिशों में बुनियादी ईमानदारी हो। विकास की सही और सच्ची परिभाषा हमारे सामने हो। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कभी कहा था कि उनका दायित्व देश के हर नागरिक को एक समस्या मानकर उसका समाधान करना है। यह तब की बात है जब देश आजाद हुआ था। लगभग 40 करोड़ की आबादी थी तब देश की। आज हम 140 करोड़ हैं। आवश्यकता हर भारतीय के जीवन को विकसित जीवन शैली के अनुरूप बनाना है। और नागरिक की बुनियादी जरूरतें पूरी हों। हर नागरिक को विकास का समान अवसर मिले। वह जो सपने देखे उन्हें पूरा करने की उमंग भी हो उसमें। इसका सीधा–सा अर्थ यह है कि हमारे देश का हर नागरिक अपने भारतीय होने पर गर्व करे, उसका विवेक जाग्रत हो, वह गर्व से सिर ऊंचा करके चल सके।

मुफ्त अनाज देकर या लाड़ली बहनों के खातों में हर महीने पंद्रह सौ, दो हजार जमा कर के उसे सर ऊंचा करके चलने के लायक नहीं बनाया जा सकता। ऐसे प्रयास सिर्फ भरमाते भर हैं। सक्षम नहीं बनाते। आवश्यकता हर नागरिक को सक्षम बनाने की है। हमारे संविधान ने हमें समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता का अधिकार दिया है तो इसके साथ कुछ कर्तव्य भी जोड़े हैं, जिन्हें निभाना ही एक स्वतंत्र देश का योग्य नागरिक बनने की सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। यदि हमें बोलने की आजादी मिली है तो उचित बोलने की शर्त भी उसके साथ जुड़ी हैय यदि हमें समानता का अधिकार मिला है तो उसके साथ यह कर्तव्य भी जुड़ा है कि हम देश के हर नागरिक को अपने समान समझेंय यदि हमें न्याय पाने का अधिकार है तो न्याय का तकाजा है कि हम दूसरों के न्याय पाने के अधिकार की भी रक्षा करें। यह सब तभी संभव है जब हम स्वयं में यह क्षमता पैदा कर लेंगे कि रेवड़ियों से हमें भरमाने की कोशिश करने वालों के इरादों को समझ सकें।जनतंत्र की सफलता और सार्थकता का प्रमाण यही है कि हर नागरिक अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति सावधान हो। सतत जागरूकता ही वह मंत्र है जो हमें जनतंत्र का योग्य नागरिक बनने लायक बन सकता है। रेवड़ियां बुरी नहीं होतीं, पर रेवड़ियां बांटने वाले के इरादों की सच्चाई परखनी जरूरी है। राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए बांटी जाने वाली रेवड़ियों की मिठास के पीछे छिपी कड़वाहट को समझना भी जरूरी है।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र में अडानी की गूंज

—रोहित माहेश्वरी —

संसद के शीतकालीन सत्र में सियासी गर्मी को साफ–साफ महसूस किया जा सकता है। संसद में अडानी के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग और संभल हिंसा सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को कार्यवाही बाधित रही। संसद का शीतकालीन सत्र बीती 25 नवंबर से शुरू हुआ, लेकिन कार्यवाही शुरू होते ही यह विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो अडानी को लेकर हंगामा खड़ा करने की कोशिश की। विपक्ष के हंगामे के बीच लगातार संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है। संसदीय प्रक्रिया को नजरअंदाज करते हुए विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर पर तत्काल चर्चा करने पर अड़ा हुआ है। 20 दिसंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र को 20 दिसंबर तक चलना है, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि बिलों को पास कराने में सरकार को खासी मशक्कत करनी पड़ेगी।

संसद के सत्र के दौरान 16 विधेयक पेश किए जाने हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक, मुस्लिम वक्फ (निरसन) विधेयक, भारतीय वायुयान विधेयक, आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, गोवा राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, बिल ऑफ लैडिंग विधेयक, समुद्री मार्ग से माल ढुलाई विधेयक, रेलवे (संशोधन) विधेयक, बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक और तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन विधेयक, बॉयलर्स बिल, राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय बिल, पंजाब न्यायालय (संशोधन) बिल, मर्चेंट शिपिंग बिल, तटीय शिपिंग बिल और भारतीय बंदरगाह बिल सूची में शामिल हैं।

पिछले कई सत्रों में यह देखने में आ रहा है कि विपक्ष योजनाबद्ध तरीके से सत्र से पूर्व किसी न किसी मुद्दे को बेवजह खड़ा करता है। कांग्रेस लगातार अडाानी का मुद्दा उठा रहे हैं। संसद के हर सत्र से पहले किसी विदेशी एजेंसी के माध्यम से अडानी ग्रुप पर कोई ने कोई आरोप लगाया जाता है, जिसे लेकर संसद में विपक्ष खासकर कांग्रेस खूब हंगामा मचाती है। संसद सत्र खत्म होने और संसद का कीमती समय नष्ट करने के बाद कांग्रेस और विपक्ष अडानी के मुद्दे को भुला देता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ है। संसद का सत्र शुरू होने से पहले फिर एक बार अडानी का मुद्दा गरमाया हुआ है।

न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने भारत के शीर्षस्थ उद्योगपति गौतम अडानी और 7 अन्य आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी किए हैं। अमेरिकी निवेशकों, एजेंसियों और बैंकों को गुमराह करने, बेईमानी करने, धोखा देने और भारत में करीब 2200 करोड़ रुपए की घूसखोरी को छिपाने सरीखे गंभीर आरोप अडाणी समूह पर हैं। हालांकि समूह ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद करार दिया है, लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। अमेरिकी कानून और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नियमानुसार ये बेहद गंभीर अपराध हैं। अडाणी समूह की कुछ कंपनियां न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। चूंकि सौर ऊर्जा के भारत सरकार के अनुबंध के लिए अडाणी समूह ने अमेरिकी बाजार और बैंकों से करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए थे। उसी में से 26.5 करोड़ डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू–कश्मीर के अधिकारियों को कथित रूप से घूस दी गई, ताकि इन राज्य सरकारों से सौर ऊर्जा के अनुबंध हासिल किए जा सकें।

रिश्वत और ठेकेदारी के इस खेल में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ मॉरीशस की भी एक कंपनी थी, जिन्हें 'सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' (सेकी) का 12 मेगावाट अर्थात 12,000 मेगावाट सौर ऊर्जा का ठेका मिला था। चूंकि ऊर्जा महंगी थी, लिहाजा राज्य सरकारें उसे खरीद नहीं पा रही थीं। सौदेबाजी के लिए घूस दी गई, यह आरोप है। समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने 2021 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी से मुलाकात की थी और राज्य सरकार 7000 मेगावॉट बिजली खरीदने को राजी हुई थी। ओडिशा ने भी 500 मेगावॉट बिजली खरीदी थी। जिन सरकारों के साथ अडाणी समूह ने करार किए थे, वहां तब विपक्ष की सरकारें थीं। सिर्फ जम्मू–कश्मीर में राष्ट्रपति शासन था, लेकिन तब भी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ही थे। बहरहाल अब अडाणी को अमेरिकी अदालत के कठघरे में पहुंच कर अथवा अपने वकीलों के जरिए अपना पक्ष रखना होगा।

देश की जनता और विपक्ष में शामिल कई दल भी कांग्रेस की अडानी वाली रणनीति को समझने लगे हैं। इस बार विपक्ष की एकता में फूट पड़ती हुई नजर आ रही है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि वह संसद के शीतकालीन सत्र में जनता के मुद्दों पर ध्यान देगी। पार्टी ने कहा है कि वह नहीं चाहती है कि संसद का ध्यान केवल अदाणी समूह के मुद्दे पर ही रहे। यह बात बीते 27 नवंबर को तृणमूल कांग्रेस के नेता काकोली घोष दस्तीदार ने कही। तृणमूल की रणनीति में आया यह बदलाव कांग्रेस के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। जो संसद में केवल अदाणी समूह पर लगे आरोपों के नाम पर संसद को ठप करना चाहती है।

तृणमूल ने जिन मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही है, उनमें मणिपुर के हालात और पश्चिम बंगाल के साथ केंद्र की योजनाओं के बजट में भेदभाव और अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक, 2024 को मंजूरी देने में हो रही देरी जैसे मुद्दे शामिल हैं। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक, 2024 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो संसद प्रत्येक कार्रवाई हर एक मिनट में ढाई लाख रुपये खर्च हो जाते हैं। इसका मतलब है कि एक घंटे में यह आंकड़ा डेढ़ करोड़ रुपये खर्च हो जाता है। संसद सत्र के 7 घंटों में से एक घंटे लंच के हटा भी दिए जाएं तो 6 घंटे के हिसाब से 9 करोड़ रुपये का प्रतिदिन खर्च होता है। अगर इन 6 घंटों में सिर्फ शोर–शराबा हो, हंगामा होता रहे तो आप इसे नुकसान नहीं कहेंगे तो क्या कहेंगे। यही इकोनॉमी को डेंट है और टैक्सपेयर्स के पैसे की बर्बादी है। पिछले लगभग पांच साल से विपक्ष का रवैया संसद को ठप करने का है। संसद सत्र को जनहित में प्रयोग करने की बजाय विपक्ष राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए कर रहा है।

सवाल यह है कि राहुल गांधी ने इस मामले में भी अडाणी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का भी नाम जोड़ दिया है। वह मोदी–अडाणी जोड़ी की राजनीति अक्सर करते रहे हैं। उन्होंने यहां तक भी दावा किया है कि प्रधानमंत्री अडाणी को गिरफ्तार नहीं करने देंगे, क्योंकि अंततरू वह भी जेल जाएंगे। राहुल गांधी की यह राजनीति अनैतिक है। वह खुद जमानत पर हैं। वह देश की प्रतिष्ठा और छवि को भी कलंकित कर रहे हैं। यदि उनके पास मोदी–अडाणी मिलीभगत के कोई ठोस प्रमाण हैं, तो वह अदालत में जा सकते हैं।

संसद सत्र जनहित के मुद्दों का उठाने और आम आदमी की भलाई और कल्याणकारी कार्यों के निष्पादित करने के लिए होता है। इसके अलावा तमाम दूसरे जरूरी संसदीय काम संसद सत्र में पूरे करने होते हैं। लेकिन जिस तरह विपक्ष संसद का ठप करने की राजनीति कर रहा है, उससे असल में देश के आम आदमी का ही नुकसान हो रहा है। पक्ष और विपक्ष को संसद सत्र का राजनीति चमकाने और एक दूसरे की छवि को नुकसान पहुंचाने की नीयत और नीति से बाज आना चाहिए।

दमनात्मक रवैया लोकतंत्र के लिए खतरा

—योगेन्द्रयोगी—

सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारुढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारुढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते।

एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधराकांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उस प्रतिबंध कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भड़का, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब द साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने द साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जी टी नानावटी और जस्टिस के जी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया।

गोधरा कांड और उसके बाद भड़के दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा–हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए। जिन्हें दोषी ठहराया गया, उन्होंने भी गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने मामले में कुल 31 दोषियों को दोषी ठहराया था और 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ अपील की है, कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी।

सड़क हादसे में युवा व्यापारी और साले की मौत

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा—अयोध्या हाईवे पर हुए सड़क हादसे में जीजा—साले की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से गोंडा—अयोध्या हाईवे पर कस्बे के निकट स्थित एक ढाबे से खाना खाकर अपने घर वापस आ रहे थे। रात करीब 11 बजे कोल्ड स्टोर तिराहे से दो सौ मीटर आगे तेज गति से सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दिया। इसमें साहिल कालरा (31) पुत्र प्रदीप कालरा निवासी मोहल्ला संचरही नबाबगंज की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा उसका साला अमन सिंह (23) पुत्र भारत सिंह निवासी जिला बरेली गंभीर रूप से घायल हो गया।

अयोध्या मेडिकल कॉलेज इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में अमन की भी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक साहिल कालरा के शव को कब्जे में ले और आवश्यक लिखापढ़ी के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कस्बे किराना व्यवसायी प्रदीप कालरा के युवा पुत्र की मौत की सूचना मिलते ही अनेक कस्बे के युवा मौके पर पहुंच गए और घर में परिवार में कोहराम मच गया। दो साल पहले मृतक के चाचा राकेश कालरा का निधन हृदय गति के रुकने से हो गया था। लगातार दो हादसों में परिवार के दो युवा सदस्यों को खोकर पूरा कालरा परिवार गहरे सदमे में है। कस्बे के लोग भी शोकाकुल है।

सड़क हादसे में बरेली जिले के इज्जतनगर थानाक्षेत्र के रहने वाले भारत सिंह के इकलौते बेटे अमन सिंह के मौत से परिवार का चिराग बुझ गया। अपने बहन के घर दो दिन पहले आया अमन बुधवार की रात नौ बजे जीजा साहिल के साथ बाइक पर सवार बहनोई के एक मित्र के बर्थ—डे पार्टी में शरीक होने गया था। देर रात पार्टी से लौटते समय दोनों हादसे में काल का शिकार हो गए। कस्बे का साहिल कुछ साल पहले लखनऊ में जनरल मर्चेन्ट की दुकान चलाता था। उसी दौरान उसकी मित्रता दन्त चिकित्सा की पढ़ाई कर रही ज्योति सिंह से हो गई। आगे चलकर दोनों ने शादी कर लिया, दो साल पहले साहिल एक बेटे का बाप भी बन गया था। शादी के बाद लखनऊ में दुकान बंद करके साहिल ने कस्बे में घंटाघर के पास रेडीमेड कपड़े की दुकान खोल ली थी। उसकी पत्नी डॉ. ज्योति सिंह डेन्टिस्ट की क्लीनक चलाने लगी थी। लेकिन शायद नियति को परिवार की खुशी मंजूर नहीं थी और एक ही हादसे में दो परिवार तबाही के कगार पर आ गए।

भट्ठे के निकट संदिग्ध हालात मे मिला अधेड़ का शव

संवाददाता—बलरामपुर। घर से निकले अधेड़ का शव 18 घंटे बाद गुरुवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में तुलसीपुर सिरसिया रोड स्थित ईट भट्ठा के निकट खेत में पड़ा मिला है। पास में ही उसकी बाइक भी पड़ी मिली है। अधेड़ के पीठ व पैर में मामूली चोटों के निशान हैं। घटना स्थल के निकट फोरेंसिक टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बड़े भाई की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। फकीरीडीह के मजरे सहजना निवासी 46 वर्षीय लालजी मौर्य पुत्र स्व. पन्नालाल बुधवार दोपहर बाद घर से बाहर निकले थे। वह अपनी बाइक से कहीं गए थे। उनके बड़े भाई लल्लन व छोटे भाई बंशीलाल ने लालजी के घर वापस न लौटने पर काफी खोजबीन की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह तुलसीपुर सिरसिया मार्ग स्थित विनोहनी के पास शंकर सिंह ईट भट्ठे के पीछे लालजी का शव पड़ा मिला। पास में उनकी बाइक पड़ी थी। शौच के लिए गए लोगों ने शव पड़ा देखकर शोर मचाया। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। लोगों ने बताया कि लालजी के पीठ व पैर में मामूली चोट के निशान दिखे हैं। कोई गहरा जख्म नहीं पाया गया है। पुलिस की सूचना पहुंची फोरेंसिक टीम ने अपनी पड़ताल शुरू की। फिंगर प्रिंट उतारे गए। बाइक के हैंडल व अन्य पुर्जों की सघनता पूर्वक पड़ताल कर फिंगर प्रिंट उतारे गए। घटना स्थल पर भारी संख्या में लोग जुटे रहे। बताया जाता है कि पत्नी की मौत के बाद लालजी को शराब पीने की लत लग गई थी। गत माह नौ लाख रुपए की जमीन बेचने की बात भी कही जा रही है। लल्लन ने अपनी तहरीर में लालजी मौर्य को शराब का लती बताया है। लल्लन का कहना है कि उनके परिवार का किसी से रंजिश नहीं है। प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अपनी कार्रवाई आगे बढ़ा सकेगी।

रामलीला मैदान के सुंदरीकरण के लिए भूमि पूजन

संवाददाता—गोण्डा। क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरिहरपुर में पर्यटन विभाग की ओर से स्वीकृत रामलीला मैदान के सुंदरीकरण के लिए क्षेत्रीय विधायक प्रेम नारायण पांडेय ने विधि विधान से भूमि—पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सतत जारी है। इस अवसर पर जिपं सदस्य रामधोख मिश्रा, बद्री प्रसाद पांडेय, अवधेश निषाद, श्रीपत निषाद भाउल, भीम मौर्य, अनुज शुक्ला, वेद प्रकाश निषाद, राम लगन मिश्रा, विनय प्रताप उर्फ छोटू सिंह, सुरेंद्र तिवारी, राजेन्द्र दिवाकर उपस्थित रहे।

आयुक्त ने प्लेज पार्क की स्थापना के दिए निर्देश, 10 एकड़ भूमि वाले किसान बना सकेंगे पार्क

संवाददाता—गोण्डा। योगी सरकार की योजना के तहत प्लेज पार्क की स्थापना के लिए न्यूनतम 10 एकड़ से 20 एकड़ तक की भूमि चाहिए। पार्क के निर्माण में मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए सरकार एक प्रतिशत ब्याज पर 50 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराएगी। सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद होने के बाद उद्यमियों को उद्योग लगाने के लिए प्लांट का आवंटन किया जाएगा। जिससे एक तरफ जहां रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। वही उद्यमियों को उद्योग लगाने के लिए आसानी से प्लाट उपलब्ध हो जाएंगे। देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने मंडलीय उद्योग बन्धु की बैठक में उनकी समस्या और सुझावों को सुना। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए की उद्यमियों के ऋण सम्बन्धी आवेदन को जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए। बैठक में मंडलायुक्त ने कहा कि यदि कोई उद्यमी ऋण के लिए आवेदन कराता है। तो आवेदन करने को दौरान ही उसे सभी जरूरी अभिलेखों के संबंध में अवगत करा दिया जाए। जिससे समय के रहते सभी अभिलेख उपलब्ध करा सके। बार—बार पत्रावली में कमी निकाल कर उनका समय बर्बाद ना किया जाये। उद्यमियों को समय से ऋण उपलब्ध कराना सभी बैंकों की जिम्मेदारी है।

प्रतिभाशाली छात्रों को मिला सम्मान और उत्साह वर्धन

संवाददाता—श्रावस्ती। शिवालिक महाविद्यालय पटना खरगौरा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने किया। पढ़ाई में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र—छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह से छात्रों का उत्साह वर्धन होता है। बच्चे हमारे भविष्य की नीव हैं। नींव जितनी मजबूत होगी, उतनी हमारे देश की जड़ें मजबूत होंगी। इसलिए सभी छात्र—छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने जीवन में नये आयाम प्राप्त कर अपने जिले का नाम देश एवं प्रदेश में रोशन करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह सम्मान उन बच्चों के लिए सीखने का अवसर है, जिनको आगे विभिन्न परीक्षाओं से गुजरना है। वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने स्कूल, क्षेत्र व राज्य का नाम रोशन करने के संकल्प के साथ पढ़ाई करें। उन्होंने कहा प्रतिभा सम्मान समारोह बच्चों की प्रतिभा को और निखारने व उनके उज्वल भविष्य के निर्णय लेने के लिए बेहतर माध्यम है। पुलिस अधीक्षक ने पुरस्कृत छात्र—छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। साथ ही अन्य छात्रों को इनसे प्रेरणा लेने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, एकाग्रता, संकल्प, नियमित अध्ययन एवं समय पालन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय, रमन सिंह सहित विद्यालय के अध्यापक,अध्यापिकाएं, छात्र—छात्राएं एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पुलिस ने बाइक चोरी गैंग का किया पर्दाफाश, पांच बाइक भारतीय और नेपाली मुद्रा के साथ चार गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बाइक चोर गैंग का खुलासा करते हुए सीतापुर और गोंडा के चार चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 5 बाइक भारतीय और नेपाली मुद्रा बरामद किया है। पकड़े गए आरोपी बहराइच समेत आसपास के जिलों से बाइक चोरी कर नेपाल में बेंचते थे। जिले की फखरपुर थाने की पुलिस ने बाइक चोर गैंग का खुलासा किया है। गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के कोठवल कला गांव में छापेमारी कर मौके से चोरी की पांच बाइक बरामद किया है। बाइक चोरी के मामले में सीतापुर जिले के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के ग्राम चिहुडी के रहने वाले शिवम सिंह पुत्र परवेश सिंह, अनुराग सिंह पुत्र राजेश सिंह, गोंडा जिले के कटरा थाना क्षेत्र के कटरा बाजार नाऊ टोला के रहने वाले नसीर अहमद पुत्र जहीर पिपरी मांझा गांव के रहने वाले उमेश कुमार तिवारी पुत्र सुशील कुमार को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। बरामद सभी बाइक को सीज कर दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि बाइक के अतिरिक्त छह मोबाइल, 8400 रूपये भारतीय और 75 रुपये नेपाली बरामद हुआ है।

थानाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला, वरिष्ठ उप निरीक्षक कृष्ण कुमार सिंह, उप निरीक्षक राज नारायण त्रिपाठी, सूर्याकांत चौबे, रवि यादव, अवधेश कुमार वर्मा, शशिकांत गुप्ता समेत टीम में अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

संतो महंतों ने पूर्वाचार्य महन्तों को अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।कनक भवन परिसर स्थित प्रसिद्ध पीठ श्री लालसाहब दरबार के पूर्वाचार्य महंत श्री श्री 108श्री महन्थ जानकी जीवन शरण महराज की 26 वीं पुण्यतिथि के साथ मंहत श्रीरामकृपाल शरण महराज 22वीं व मंहत श्री जानकी शरण महराज की पांचवी पुण्यतिथि पर संतो महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और शिद्दत से याद किए। इस अवसर पर मन्दिर परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ, जिसमें अयोध्यानगरी के सन्त—धर्माचार्यों ने साकेतवासी महन्तों के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही साथ उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। इस मौके पर लालसाहब दरबार के वर्तमान महन्त रामनरेश शरण महराज ने कहा कि पूर्वाचार्य महन्तों का रामनगरी में अपना एक विशिष्ट स्थान था। सभी लोग उनका आदरपूर्वक सम्मान करते रहे हैं। विद्वता में उनको महारथ हासिल था। वह भजनानंदी संत रहे, हमेशा भजन—साधना में तल्लीन रहा करते थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में मन्दिर सर्वांगीण विकास किया। यहां पर गौ, सन्त, विद्यार्थी व आगन्तुकों की सेवा प्रारम्भ से ही होते हुए चली आ रही। उन्होंने बताया कि मैं अपने पूर्वाचार्यों की कही बातों और बतलाए हुए मार्ग का बराबर अनुसरण कर रहा हूं।पुण्यतिथि पर विशाल भण्डारा प्रस्तावित रहा, जिसमें हजारों की संख्या में सन्त—धर्माचार्यों व भक्तगणों ने प्रसाद पाया और श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सन्त—धर्माचार्यों का श्रीं महराज ने स्वागत—सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से तपोवन मंदिर रांची से पधारे महंत ओम प्रकाश शरण, भिमानी से पधारे रामाश्रय शरण,वेद मन्दिर के महन्त रामनरेश दास, महन्त रामकुमार, महन्त उद्धव शरण, नागा हरीदास, नागा राम लखन दास,महन्त गिरीश दास, महन्त राजबहादुर शरण, श्रीरामाश्रम महन्त जयराम दास, महन्त रामेश्वर दास, राष्ट्रीय पहलवान केशव दास, महन्त सच्चिदानंद दास, महन्त उत्तम दास त्यागी, संत नारायण दास, संतदास आदि सन्त—महन्त व भक्तगण उपस्थित रहे।

बौद्ध भिक्षु पैदल यात्रा कर गौरीबाजार पहुंचे, शांति का दिया संदेश

संवाददाता—देवरिया। बौद्ध भिक्षु पैदल यात्रा कर गुरुवार को गौरीबाजार पहुंचे। चंद्रशेखर आजाद इंटर कालेज देवगांव में बुद्ध के अनुआयियों ने उनका फूल मालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया।

चंद्रशेखर आजाद इंटर कालेज देवगांव के खेल परिसर में जुटे अनुआयियों को संबोधित करते मुख्य बौद्ध भिक्षु चंदिमा थेरो ने कहा कि दुनियां में बुद्ध के विचारों से ही शांति संभव है। बढती हिंसा , तनाव, भेदभाव चिंता का विषय है। समयक बुद्ध के पहले 27 बौद्धों ने युगो युगो से समाज में शांति का पाठ पढ़ाया है। सारनाथ से गौरीबाजार पहुंची बौद्ध भिक्षुओं की यात्रा महराजगंज से कुशीनगर पहुंचेगी। विश्व में शांति के लिए बौद्ध भिक्षुओं की यात्रा जारी रहेगी।

बौद्ध भिक्षु अमित प्रिय ने कहा कि बौद्ध भिक्षु वहीं हो सकता है जो किसी के प्रति भेदभाव न रखे। सबके कल्याण के लिए कामना करे। महात्मा बुद्ध के संदेशों को जीवन में अनुसरण पर जोर दिया। बौद्ध भिक्षु प्रज्ञाकृति, संघदीप, त्रिशरण पंचशील ने भी बुद्ध के संदेश से लोगों को अवगत कराया।

इसके पूर्व सुरेंद्र बौद्ध , संजय बौद्ध, रामसुभग, सीताराम, सुधीर कुमार, बालचंद राही, नरेन्द्र, राधेश्याम, प्रधान जयप्रकाश सिंह मिठ्ठू, सुरेंद्र मौर्य, आर.के. गौतम, बलिराज साहनी ने पैदल यात्री बौद्ध भिक्षुओं का फूल माला पहना कर स्वागत किया।इस दौरान महात्मा बुद्ध, डा. भीम राव आंबेडकर व अन्य बौद्ध विद्वानों के पुस्तकों का स्टाल भी लगा था।

बुद्ध के संदेश को आमजन तक पहुंचाने के लिए बौद्ध भिक्षुओं ने क्षेत्र के सिरजम, लखनचंद, मठवाल गिरी आदि गांवों में भी पैदल यात्रा किया।

पाइप लाइन बिछाने में खोद डाली सड़क

संवाददाता—गोण्डा। परसपुर ब्लॉक क्षेत्र के दुल्लापुर ग्राम पंचायत में पेयजल योजना से गांव में पाइप लाइन बिछाने का काम किया गया है। पाइप लाइन बिछाने के चक्कर में सड़क खोद डाली है। इसकी वजह से राहगीरों को समस्या हो रही है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, कुदरहा, बस्ती

पत्रांकः 132 / टेण्डर विज्ञप्ति / 2024—25   दिनांक— 28.11.2024

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

क्षेत्र पंचायत कुदरहा बस्ती द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजन / पंचम राज्य वित्त / पन्द्रहवा वित्त / पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि तथा अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2024—25 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी इंट, ईट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इन्टरलाकिंग ईट, लोकल बालू सीमेन्ट मोरंग बालू, सरिया, पेन्ट वायरिंग, शाइन बोर्ड हयूम पाइप, शोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, बेन्च (सीमेन्ट कंकरीट) आर0ओ0 प्लान्ट, कूड़ा दान आदि अन्य सामग्री के आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिकापे में खण्ड विकास अधिकारी कुदरहा, बस्ती कार्यालय के निविदा बाक्स में दिनांक 29.11.2024 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक—06.12.2024 अपरान्ह 02:00 बजे तक डाली जायेगी निविदा उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे विकास खण्ड के सभागार में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 29.11.2024 से 06.12.2024 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता।

नियम व शर्तें—

1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी उसे क्षेत्र पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. खण्ड विकास अधिकारी द्वारा नामित अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में निर्धारित तिथि समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4. सामग्री की आपूर्ति विकास खण्ड कुदरहा, बस्ती की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर ही करनी होगी।
5. जो दरें प्रस्तुत की जाय यह वेट तथा कार्टेज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाय।
6. सामग्री की आपूर्ति खण्ड विकास अधिकारी के आदेश पर की जायेगी।
7. सामग्री की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई बढ़ाई जा सकती है।
8. प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।
9. आपूर्ति कर्ता को नियमानुसार आयकर देना होगा, साथ ही साथ बिल से व्यापार कर सामग्री अंश के अनुसार वैट की कटौती की जायेगी।
10. सीमेन्ट की आपूर्ति हेतु सम्बन्धित का डीलरशिप / एजेन्सी होना अनिवार्य है। अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सीमेन्ट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
11. आपूर्ति दर स्वीकृत होनें तथा क्षेत्र पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12. निविदा फार्म विकास खण्ड कुदरहा, बस्ती कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500. 00 रू० पर ही स्वीकृत की जायेगी।
13. सामग्री आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
14. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी के पास होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
कुदरहा बस्ती

नगरपालिका व नगर निकायों में 14.74 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत

संवाददाता—देवरिया। जिले की दो नगरपालिकाओं और छः नगर निकायों के लिए शासन ने 14.74 करोड़ के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इस रकम को जल निकासी और पेयजल की व्यवस्था सुधारने में खर्च किया जाएगा। शासन इसकी पहली किश्त के मद में स्वीकृत रकम की आधी धनराशि जारी कर दी है। अब संबंधित नगरपालिका और नगर निकाय इस रकम से स्वीकृत कार्य को पूरा कराएंगे।

नगरपालिका परिषद देवरिया, गौरा बरहज और बरियारपुर, हेतिमपुर, भलुअनी, गौरीबाजार, रुद्रपुर नगर निकायों से विविध प्रस्ताव बनाकर को शासन को भेजे गए थे। इन प्रस्तावों को शासन ने स्वीकृत कर लिया है। नगरपालिका परिषद देवरिया से सीवरेज व जल निकासी के साथ पेयजल योजनाओं के प्रस्ताव भेज गए थे। बाकी निकायों से केवल पेयजल के प्रस्तावों को स्वीकृति मिली है। सीवरेज के मद में नगरपालिका परिषद देवरिया ने दो करोड़ 13 लाख 57 हजार के प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं। इसमें से 1.06 करोड़ रुपये जारी हो गए हैं। वहीं नगर पंचायत बरियारपुर की एक करोड़ 99 लाख 60 हजार रुपये के प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं। इसमें से एक करोड़ जारी हो गए हैं। इसी तरह नगर पंचायत हेतिमपुर के करोड़ 89 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं। इसमें से 95 लाख रुपये अवमुक्त हो चुके हैं।

दूसरी ओर पेयजल योजना के मद में नगरपालिका परिषद देवरिया की दो योजनाओं एक करोड़ 19 लाख 17 हजार रुपये और एक करोड़ 99 लाख 89 हजार रुपये को स्वीकृति मिली है। इसमें से क्रमशरू 60 लाख और एक करोड़ रुपये की प्रथम किश्त शासन ने अवमुक्त कर दिया है। नगर पालिका परिषद गौरा बरहज एक करोड़ 11 लाख 54 हजार रुपये की योजना को स्वीकृत करते हुए प्रथम किश्त के मद में 55 लाख रुपये जारी कर दिए हैं। वहीं नगर पंचायत भलुअनी के एक करोड़ एक हजार 21 लाख की योजना स्वीकृत हुई है। इसमें से 50 लाख रुपये अवमुक्त हो चुके हैं। नगर पंचायत बरियारपुर की एक करोड़ 19 लाख 53 हजार रुपये की योजना स्वीकृत हुई है। इसमें से 60 लाख रुपये की प्रथम किश्त जारी हो चुकी है। नगर पंचायत गौरीबाजार की एक करोड़ 80 लाख रुपये की योजना स्वीकृत हो चुकी है। इसमें से 50 लाख रुपये की पहली किश्त जारी हो गई है। नगर पंचायत रुद्रपुर के एक करोड़ 19 लाख 89 हजार रुपये के प्रस्ताव को स्वीकृत करते हुए शासन ने 60 लाख रुपये अवमुक्त कर दिया है।

सरयू भवन के पूर्वाचार्य महंत को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। संतो की तपोस्थली रामनगरी में हजारों तपस्वी संत हुए हैं उन्हें संतों में से एक थे सरयू भवन वासुदेव सदन मंदिर के पूर्वाचार्य महंत वासुदेव दास को वर्तमान महंत रामबालक दास के संयोजन में अयोध्या के संतो महंतों ने उनके 39 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्री महाराज जी ने सरयू भवन का निर्माण संतों की की सेवा के लिए किया था जो आज भी चला रहा है इस आश्रम में निरंतर संत सेवा होती रहती है और अपनी गुरुदेव भगवान के बने हुए नियमों को महंत राम बालक दास आगे बढ़ा रहे हैं। रामबालक दास महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान ने जो परंपरा उत्सव सवैया और संत सेवा के लिए बनाया था उसका पालन आज भी किया जा रहा है और हमेशा किया जाएगा श्री महाराज जी के पुण्यतिथि के अवसर पर अयोध्या के संतों का भंडारा आयोजित किया गया है जिसमें अयोध्या के सभी संत पहुंचे उनका स्वागत सम्मान किया गया।इस अवसर पर हनुमानगढ़ के श्री महंत मुरली दास, विश्व विराट विजय राघव मंदिर के महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास, महंत अर्जुन दास, महंत रामकुमार दास नंद कुमार मिश्रा पेड़ा महाराज सहित सैकड़ो की संख्या में श्री महाराज जी को संतो महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

पारिवारिक विवाद में मारपीट से अधेड़ की हत्या

संवाददाता—बहराइच। पारिवारिक विवाद में कहासुनी काफी बढ़ गई। हमलावरों ने अधेड़ पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसाईं। घायल को थाने लाए जाने पर पुलिस ने मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया, घायल का मेडिकल कराया। बुधवार रात घायल की हालत बिगड़ने पर एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। नगर कोतवाली पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दिया है। रानीपुर थाने के अहिराटांड़ निवासी 49 वर्षीय ओम प्रकाश पुत्र जंगली मजदूरी कर परिवार की आजीविका चला रहे थे। बुधवार की देर शाम उनके पटीदार संतोष नाम के युवक से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर संतोष व ओमकार पर लाठी डंडों से जानलेवा हमला कर दिया । जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को लेकर परिजन थाने पहुंचे और नामजद तहरीर दी। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराया। तीन को नामजद कर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया। बुधवार रात घायल की हालत बिगड़ने पर उसे एंबुलेंस मंगवाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महान विभूति शोभाराम दास को श्री राम कथा मर्मज्ञ उपाधि से किया गया सम्मानित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। हम ऐसे बोर्ड की मांग नहीं कर रहे हैं जिसमें हमारे बहन बेटियों के टुकड़े कर दिए जाते हैं,हम ऐसे सनातन बोर्ड की मांग कर रहे हैं जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिन सर्वे संतु निरामया की बात कही जाती है, सब की सुरक्षा की बात की जाती है और जाति पाति से ऊपर उठकर देश के हित में कार्य करने वाले सनातन बोर्ड की बात कर रहे है। उक्त बातें सिद्धि भवन श्री राम हर्षण कुंज में श्री राम लला सेवा संस्थान द्वारा हिंदी भाषा में रामचरितमानस के चौपाइयों का वर्णन करते हुए श्री राम कथा का गुणगान करने वाले महान विभूति शोभाराम दास महाराज को श्री राम कथा मर्मज्ञ उपाधि से सम्मानित करने के बाद आचार्य राजानंद शास्त्री ने कही।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय सनातन को मजबूत करने की है हिन्दुओं को जाति—पाति छुआ—छूत से ऊपर उठकर एक करने की है क्योंकि देश में कुछ ही प्रदेश वर्तमान समय में हिंदुओं के लिए। मैं नहीं चाहता कि बंगाल के चिन्मय दास की तरह हमारे भारत देश देश किसी भी दास, आचारी और मठ के महंत के साथ हो। उन्होंने कहा की जो स्थिति बंगाल देश में है, उसे स्थिति की पुनरावृत्ति कभी भी हमारे देश भारत में ना हो। इसके लिए हम सबको जागरूक हो करके देश में सभी सनातनी को एक करना होगा। जिसके लिए बागेश्वर धाम से बागेश्वर सरकार धीरेंद्र शास्त्री के नेतृत्व में हिंदू एकता यात्रा में हनुमानगढ़ी से राजू दास महाराज के साथ मैं भी शामिल हुआ और 16 नवंबर को दिल्ली में सनातन बोर्ड के लिए जो धर्म संसद बुलाई गई थी उसमें भी भाग लेकर के हम केवल सभी से यही अपील करेंगे की वर्तमान समय में एक होकर के सनातन की सुरक्षा के लिए सभी को जागरूक होना होगा तभी देश की सुरक्षा हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी जिसके लिए हम निरंतर प्रयास करते रहेंगे। इस दौरान अयोध्या के सनातन धर्म प्रचारक दिवाकराचार्य भी मौजूद रहे।

मारपीट करने के आरोपी पिता–पुत्र दोषसिद्ध करार

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट भूपेन्द्र राय की कोर्ट ने घर में घुसकर मारपीट करने के आरोपी पिता–पुत्र को दोषसिद्ध करार देते हुए परिवीक्षा पर छोड़ने का फैसला सुनाया। आरोपी पिता राम बिलास व उसके पुत्र खेताहू को सदाचरण बनाए रखने की शर्त पर विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट की कोर्ट ने एक वर्ष के परिवीक्षा पर रिहा किया। कोर्ट ने आरोपियों को 25–25 हजार रुपए के व्यक्तिगत बन्ध पत्र एवं इतनी ही धनराशि के दो जमानतनामे सात दिन के अंदर प्रस्तुत करने का भी फैसला दिया। परिवीक्षा काल के दौरान आरोपी द्वारा कोई अपराध करने पर कोर्ट तलब करके दण्डादेश के बिन्दु पर सुनकर यथोचित आदेश पारित करने का भी निर्णय दिया है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को एससीएसटी एक्ट के आरोप में दोषमुक्त करने का निर्णय भी सुनाया है। विशेष लोक अभियोजक एससीएसटी एक्ट आशीष प्रसाद पांडेय ने बताया कि प्रकरण जिले के मेंहदावल थाना क्षेत्र के ग्राम पिडारी कला का है। प्रकरण में वादी राम सुभग पुत्र बहादुर ने अभियोग पंजीकृत कराया था। वादी का आरोप था कि वह 9 मार्च 2009 को दिन में लगभग 12 बजे मेंहदावल से बाजार करके घर गया था। बरामदे में बैठकर खाना खा रहा था। इतने में राम बिलास पुत्र कौलेसर व उनका पुत्र खेताहू पुत्र राम बिलास ग्राम सिंहरहट थाना मेंहदावल लाठी डंडा लेकर चढ़ आए। जातिसूचक गाली देते हुए कहा कि तुमने मुझे चोरी के मामले में फंसाया है। आज तुम्हें नहीं छोड़ेंगे। दोनों आरोपी बरामदे में घुसकर मारने लगे। वादी खाना छोड़कर घर में भाग गया। दोनों आरोपी घर में घुस गए और लाठी–डंडा, लात–घूंसे से मारे–पीटे। दोनों आरोपियों ने जानमाल की धमकी भी दी। पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने तथा एससीएसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत करके विवेचना के उपरांत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक एससीएसटी एक्ट आशीष प्रसाद पांडेय ने बताया कि अभियोजन ने कुल सात साक्षी न्यायालय में प्रस्तुत किया। एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट भूपेन्द्र राय की कोर्ट ने पक्षों की बहस सुनने के पश्चात दोनों आरोपियों को एससीएसटी एक्ट के आरोप में दोषमुक्त कर दिया। जबकि घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप में दोष सिद्ध करार दिया। कोर्ट ने आरोपियों को एक वर्ष की अवधि के लिए सदाचरण कायम रखते हुए 25–25 हजार रुपए के व्यक्तिगत बंधपत्र एवं समान धनराशि के दो प्रतिभूपर सशर्त परिवीक्षा पर छोड़े जाने का फैसला सुनाया।

नवाचार के समावेश से बच्चों के लिए रुचिकर हो रहा शिक्षण कार्य

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में मेंहदावल ब्लाक संसाधन केन्द्र पर शैक्षिक नवाचार मेला चल रहा है। शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सभी को प्रेरित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञानचन्द्र मिश्र ने कहा कि शिक्षण कार्य में नवाचार के समावेश से बच्चों में सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। जिससे बच्चे पढ़ाई में रुचि लेने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अब परिषदीय स्कूलों पर नव प्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए नवाचार मेले आयोजित किए जाएंगे। शिक्षकों की ओर से पढ़ाई में किए जा रहे नव प्रयोगों को प्रदर्शित किया जाएगा। विद्यालय एक–दूसरे के ब्लाक में 116 परिषदीय व कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षक नए–नए प्रयोगों के जरिये बच्चों को शिक्षण कार्य करा रहे हैं। जिसका लगभग 1 लाख 65 हजार छात्र–छात्राओं को लाभ मिल रहा है। शासन द्वारा विद्यालयों में नव प्रयोगों को बढ़ावा देने की यह पहल की गई है, जो बेहद कारगार साबित हो रही है। शिक्षकों को अच्छे नव प्रयोगों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

दो वर्ष पूरा होने पर कुलपति ने राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की

संवाददाता–अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल का दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर लखनऊ राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर राज्यपाल ने कुलपति के शैक्षिक कार्यों की सराहना की। अवध विवि की कुलपति प्रो. गोयल के कार्यकाल में दो वर्ष में छात्र–छात्राओं को रोजगार से जोड़ने के स्किल हब की स्थापना की गई और 55 से अधिक शोध संस्थानों के साथ प्रशिक्षण, प्लेसमेंट संबंधी एमओयू किया गया। विवि में शिक्षकों की सुविधा के लिए परामर्श नीति बनाई गई है। विद्यार्थियों के लिए फ्री ओपेन लाइब्रेरी की सुविधा प्रदान की गई। इस दौरान अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर बोबडे, राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ. पंकज एल जॉनी व अन्य मौजूद रहे।

पुरस्कार वितरण के साथ 7 दिवसीय खेल महोत्सव सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता– कलवारी, बस्ती। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के अक्सडा में स्थित बीडी ग्लोबल एकेडमी में चल रहे 7 दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का समापन वृहस्पतिवार को विजयी प्रतिभागियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र वितरित कर किया गया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक आयोजनों के साथ धूमधाम से किया गया। खेल के अन्तिम दिन 100 मीटर दौड़, खो खो, कबड्डी, वालीवाल और रस्साकसी खेल में कुल 600 छात्रों ने प्रतिभाग किया।

खेल प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. अतुल त्रिपाठी, सचिव अद्या प्रसाद चौधरी, झिनकू लाल इण्टर कालेज के प्रबन्धक अमित चौधरी, प्रधान सुनील चौधरी, राजवंत सिंह, सन्तराम चौधरी, सुनील चौधरी, दुर्गा चौधरी व शोभा चौधरी के साथ मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे रुधौली विधायक राजेन्द्र चौधरी ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर और मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

इस दौरान विधायक राजेन्द्र चौधरी ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन लाता है और विषम परिस्थितियों में भी विवेकपूर्वक कार्य करने की क्षमता उत्पन्न करता है। खेल राष्ट्र प्रेम का भाव जागरण करता है और श्रेष्ठ जनों के प्रति सम्मान एवं आदर देने का भाव उत्पन्न करता है। कहा कि खेल प्रतियोगिता से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। जिससे बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करते हैं। जो बच्चे किसी कारण प्रतियोगिता में सफल नहीं हो सके उन्हें अगली प्रतियोगिता के लिए एक नई ऊर्जा के साथ तैयारी करना चाहिए।

विद्यालय प्रबन्धक निदेशक ई. श्याम लाल चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस तरह के खेल प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों का शारिरिक एवं मानसिक विकास भी होता है। विद्यालय के बच्चों के उन्नयन हेतु विद्यालय प्रबंधन द्वारा नित नए प्रयोग के साथ ही बच्चों को डिजिटल क्लास से जोड़ दिया गया है। उन्होंने खेल समारोह का संचालन कर रहे शादाब अहमद, खेल शिक्षक जगराम यादव, गौरव पाण्डेय, अर्चना पाण्डेय व अंजू पाण्डेय सहित खिलाड़ियों व कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। एक सप्ताह तक चले वार्षिक खेल महोत्सव का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से पवन चौधरी, महेश चौधरी, जनार्दन उपाध्याय, सुधांशु यादव, दिनेश द्विवेदी, अखिलेन्द्र यादव, राम सजीवन वर्मा, सचिन यादव, गोरख नाथ पाण्डेय, जय प्रकाश सिंह चौहान, अंजू पाण्डेय, निशा चौरसिया, शशि भारती, रचना पाण्डेय, जानकी गौड़, लक्ष्मी वर्मा, शीला पाण्डेय, शाहिस्ता खातून सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

लेखपाल को नोटिस देने का निर्देश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने कलक्ट्रेट सभागार में अफसरों संग आईजीआरएस के प्रार्थनापत्रों के निस्तारण की समीक्षा की। डीएम ने भीमापार में अवैध कब्जा की शिकायत पर आख्या ठीक न लगाने पर संबंधित लेखपाल को नोटिस जारी करने का निर्देश एसडीएम को दिया। डीएम ने निर्देश दिया कि अधिकारी मौके पर जाकर समस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराएं। निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट होना चाहिए।

डीएम ने निर्देश दिया कि भूमि विवाद से संबंधित प्रकरण थानाध्यक्ष को न भेजें। एसडीएम राजस्व निरीक्षक के साथ जाएं। सभी एसडीएम राजस्व के प्रकरणों को गंभीरता से लेकर निर्धारित समय में निस्तारित कराएं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में अवयस्क किशोरी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात निरस्त कर दिया। आरोपी मोहित पाल पर वादी की 15 वर्षीय अवयस्क पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर अपहरण करके दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अभिमन्यु पाल, सत्येन्द्र शुक्ल, सत्य प्रकाश गुप्ता व अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामला कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव का है। प्रकरण में पीड़िता के पिता ने अभियोग पंजीकृत कराया है। उसका आरोप है कि वह अनुसूचित जाति का है। मोहित पाल पुत्र कमला पाल ग्राम बेल्हुआ थाना महुली अपनी बहन के घर रहता है। 27 जुलाई 2024 को सुबह आठ बजे मोहित उसकी 15 वर्षीय पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर बुरा काम करने की नीयत से भगा ले गया। वादी उसी समय से अपनी पुत्री की खोजबीन करता रहा। 2 अगस्त 2024 को आरोपी मोहित पाल घघसरा के निकट लखनापार गांव के पास छोड़कर चला गया। जाते समय आरोपी को मेरी सरहज ने देखा था। स्थानीय पुलिस चौकी पर सूचना दी परन्तु कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोतवाली पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट तथा एससीएसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया। आरोपी मोहित पाल के जमानत प्रार्थना पत्र का विशेष लोक अभियोजक अभिमन्यु पाल ने विरोध किया। एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

प्रधान पति व ग्राम विकास अधिकारी के विवाद में कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया

संवाददाता–अयोध्या। पूरा बाजार ब्लॉक मुख्यालय पर ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारियों का ग्राम प्रधान पति व ग्राम विकास अधिकारी के विवाद को लेकर कार्य का बहिष्कार करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से धरना –प्रदर्शन शुरू किया। ग्राम पंचायत अधिकारी नीरज सिंह ने कहा है कि प्रधान पति के खिलाफ कार्रवाई न हुई तो दो दिसंबर से विकास भवन परिसर में अनिश्चितकालीन धरना– प्रदर्शन किया जाएगा। विकासखंड मिल्कीपुर के पलिया मुतालिके कुचेरा ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान के पति विजय सिंह ने अपने साथियों के साथ ग्राम विकास अधिकारी सूरज सिंह के साथ 23 नवंबर को अभद्रता व मारपीट करने का आरोप लगाया है। संगठन की तरफ से 25 नवंबर को जिलाधिकारी को कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था और यह भी कहा गया था कि यदि 27 नवंबर तक कार्रवाई न हुई तो 28 नवंबर से विकास खंडो पर धरना– प्रदर्शन शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा मामले को संज्ञान में न लेने पर विकासखंड पूरा बाजार के ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारियों ने ब्लॉक मुख्यालय पर कार्य बहिष्कार करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से धरना– प्रदर्शन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत अधिकारी विनय दुबे, सौरभ सिंह, विशाल गौतम, राजन द्विवेदी, रवि कुमार, रवि सिंह व ग्राम विकास अधिकारी सीमा यादव, कोमल मिश्रा, सुरेश, ज्योति, सिंदूजा, शिवकुमार ने ब्लॉक मुख्यालय पर शांतिपूर्ण ढंग से धरना– प्रदर्शन करके कार्य का बहिष्कार किया।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 92/2024

शीला देवी–सायलान

1 शीला देवी उम्र लगभग 58 वर्ष पत्नी रामेश्वर प्रसाद निवासी मोहल्ला मंगल बाजार पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–12–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्र हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 06–12–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

80 बकायेदारों के कटे कनेक्शन तीन लाख से अधिक की विद्युत राजस्व वसूली

संवाददाता–अयोध्या। बिजली विभाग की दो टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में बकायेदारों के 80 कनेक्शन को उपखंड कुमारगंज क्षेत्र में काट दिए। उपखंड अधिकारी कुमारगंज मनोज कुमार मौर्य ने बताया कि बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की दो टीमें राजस्व वसूली के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में उतर पड़ी हैं। अभी तक टीमों ने 80 कामर्शियल और बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काट तीन लाख रुपये की राजस्व वसूली की गई। उपखंड अधिकारी तथा अवर अभियंता उदय प्रताप,वेदराम, मनोज कुमार के नेतृत्व में दो टीमों के द्वारा चेकिंग तथा राजस्व वसूली अभियान शुरू किया।

टीमों के द्वारा कुमारगंज बाजार,अमानीगंज बाजार, तुलसमपुर बाजार, खड़भड़िया बाजार,राम नगर मंडी सिधारी बाजार आदि मुहल्लों के प्रतिष्ठानों तथा घर– घर जाकर बिजली चेकिंग की गई। एसडीओ ने बताया कि विद्युत देय राशि की वसूली करने के लिए विभाग गंभीर है। पावर कारपोरेशन के निर्देश पर 10 हजार से अधिक के बड़े बकायदारों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभागीय टीमों ने चिन्हित बड़े बकायेदारों के आवासों तथा प्रतिष्ठानों में चेकिंग की तथा बकाया देय राशि को जमा करने के लिए अभियान चलाया। उपखंड अधिकारी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिल समय से जमा कर परेशानी से बचें।

वहीं अधिशाषी अभियंता विनोद कुमार ने बताया कि सभी उपखंडों के अधिकारियों और कर्मचारियों को कमर्शियल बकायेदार उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /24

कं वाद सं0 T202417140314442

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत– श्रीमान अति0 अधिकारी प्रथम बस्ती जिला–बस्ती

समसुद्दीन आदि

बनाम

शशांक शेखर आदि

बावत मौजा पाऊ तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

1. शशांक शेखर पाण्डेय पुत्र कृष्ण चन्द्र पाण्डेय 2. बंशीधर दूबे 3. लवकुश दूबे पुत्रगण कैलाश चन्द्र 4. काशीनाथ पुत्र हुबराज 5. राम नगीना पुत्र श्री नरायन 6. श्रीमती चन्द्रावती पत्नी चन्द्रमौलि 7. श्रीमती बंशराजी पत्नी अवधनरायन 8. रविन्द्रनाथ पुत्र अवधनरायन 9. मु0 अभिराजी पत्नी बलिराज 10. सत्येन्द्र मोहना 11. धीरेन्द्र मोहन पुत्रगण कृष्णचन्द्र 12. कृष्ण चन्द्र 13. दिनेश चन्द्र पुत्रगण रामकिशोर 14. कमलनाथ 15. राजीव नयन पुत्रगण सुरेशचन्द्र 16. मोलहू पुत्र रामगुलाम 17. राजेन्द्र प्रसाद 18. कृष्णशंकर पुत्रगण रामबचन 19. भागवत प्रसाद पुत्र राम चन्दर 20. चन्द्रभूषण पुत्र रामशंकर 21. वालकेशर पुत्र चन्द्रिका 22. हरिकेश 23. रामहरख 24. रामदेव पुत्रगण रामसमुझ 25. हरिश्चन्द्र 26. रामबोध पुत्रगण काली प्रसाद 27. ज्ञानेन्द्र पुत्र विशम्भर 28. श्रीमती रुद्रमती पत्नी विशम्भर 29. धर्मेन्द्र कुमार 30. राघवेन्द्र पुत्रगण रामनिधि 31. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी रामनिधि साकिनान मौजा पाऊ तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 32. अपूर्ण 33. विशाल पुत्रगण ग्रीशचन्द्र 34. श्रीमती जयदेवी पत्नी ग्रीशचन्द्र साकिनान मौजा राजपुर बैरिहवा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 35. रमेश चन्द्र 36. बालकृष्ण 37. दिनेश चन्द्र पुत्रगण रामबहाल 38. गुरूसरन 39. विजय कुमार 40. ओंकारनाथ 41. ग्रीश चन्द्र 42. ध्रुवचन्द्र पुत्रगण सूर्यनरायन 43. नवीन चन्द्र पुत्र परमात्मा 44. शशांक कुमार पुत्र हरिश्चन्द्र 45. कु0 प्रिया 46. कु0 साधना 47. कु0 पुष्पा देवी पुत्रीगण हरिश्चन्द्र साकिनान मौजा डेल्हवा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 48. विजय कुमार पुत्र चन्द्रशेखर 49. ईश्वरदेव पुत्र राम समुझ साकिनान मौजा गजाधरपुर तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 50. राम नरायन पुत्र परमेश्वर 51. श्रीमती पुष्पांजलि पत्नी रविन्द्रनाथ साकिनान मौजा पाऊ तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 52. अनुराग पुत्र मुक्ता प्रसाद 53. श्रीमती प्रेमलता पत्नी मुक्ता प्रसाद साकिन मौजा बैरिहवा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 54. सियाराम पुत्र कल्लू 55. किरन देवी पत्नी रामभवन साकिनान मौजा दोफड़ा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 56. राम बहादुर यादव पुत्र जयराम साकिन नरहरा तहसील जलालपुर जिला अम्बेडकरनगर

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

57. गांव पंचायत पाऊ तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती द्वारा गांव पंचायत प्रधान पाऊ

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 03–12–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 27 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 01/2024

अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सुभाष चन्द्र आदि

बनाम

सरकार आदि

1. दुखीराम पुत्र रिखई ग्राम उमरी अहरा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 2. बाकेलाल 3. नागेन्द्र कुमार 4. सुरेन्द्र कुमार 5. रवीन्द्र कुमार पुत्रगण संतबली 6. ढ़ाली पुत्र निहुट 7. लौटू पुत्र निहुट 8. रामअधारे पुत्र रमई निवासीगण उमरी अहरा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–12–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अंबेडकर चौराहे पर अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। दीवानी कचहरी में अधिवक्ता के तख्ते पर मारपीट के मामले में कार्यवाही की मांग को लेकर गुरुवार को अधिवक्ताओं ने आंबेडकर चौराहे पर धरना प्रदर्शन दिया। अधिवक्ताओं ने कहा कि कैंट पुलिस प्रकरण में लापरवाही बरत रही है। दो दिन पूर्व कचहरी से पैदल मार्च करते हुए अधिवक्ता एसएसपी कार्यालय पहुंचे थे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भानु पांडेय और मंत्री गिरजेश मणि त्रिपाठी की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने एसएसपी के सामने अपना पक्ष रखा था। कैंट इंस्पेक्टर संजय सिंह को हटाए जाने की मांग की थी। एसएसपी ने कचहरी परिसर मारपीट के मामले में एक आरोपी के गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी थी। इसी मामले को लेकर अधिवक्ता दोबारा प्रदर्शन कर रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, पति समेत तीन पर मुकदमा

संवाददाता– सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के बनगवा गांव में बुधवार की देर शाम एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायकेवालों ने ससुरालियों पर दहेज के लिए बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मामले में मृतका के पिता की तहरीर पर दहेज हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के मनिकौरा तिवारी गांव निवासी पतित पावन मणि त्रिपाठी की पुत्री रितु(22) की शादी 24 अप्रैल 2024 को क्षेत्र के बनगवा प्रथम गांव निवासी कृष्णकांत त्रिपाठी उर्फ गोलू पुत्र कृपाशंकर से की थी। मृतका के पिता ने पथरा थाने पर तहरीर देकर बताया कि ससुराल के लोग शादी के कुछ दिन बाद मेरी बेटी को कम दहेज लाने को लेकर प्रताड़ित करने लगे। साथ ही पांच लाख रुपये और कार की मांग करने लगे। बेटी ने मना किया तो उसे कई बार मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देने लगे। ससुराल के लोग बुधवार की शाम दहेज में कार की मांग करने लगे जब रितु ने असमर्थता जताई तो पति कृष्णकांत, जेठ राजन, जेठानी सपना ने मारा पीटा और जबरदस्ती जहर पिला दिया। जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो पति डर गया और उसका उपचार कराने जिला अस्पताल ले जा रहा था कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर मायके वाले भी जिला अस्पताल पहुंचे गए। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल अपील सं0 37/2024

अदालत– श्रीमान अपर जिला जज प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामरती (मृतक)

बनाम

राज्य उत्तर प्रदेश, आदि

1. राज्य उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर बस्ती 2. अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण खण्ड जिला–बस्ती 3. परगनाधिकारी सदर बस्ती

–प्रतिवादीगण/रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग

4. इकरामुद्दीन 5. मिराजुद्दीन 6. कयामुद्दीन पुत्रगण जमील अहमद साकिनान मौजा कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–12–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमाअत तथा अपील मुकर्रर की है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाव सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

रात में गलन दिन में धूप निकलने से हो रही है राहत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में ठंड व गलन का असर बढ़ता रहा है। शाम होते ही गलन बढ़ जा रही है। सुबह के समय काफी ठंड लगने लगी है। हालांकि दिन में धूप निकलने से लोगों को गलन से राहत मिली। दिनोंदिन तापमान में भी कमी आ रही है। गुरुवार को तापमान 11 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसकी वजह से भोर में गलन बढ़ती जा रही है। दिन में वातावरण से गर्माहट बरकरार रही। सुबह से धूप निकलने की वजह से नौ बजे से ही धूप का अच्छा असर दिखने लगा। बदलते हुए मौसम में लोगों को सर्दी, जुकाम, बुखार परेशान कर रहा है। उसमें तापमान का उत्तर–चढ़ाव कोढ़ में खाज जैसा काम कर रहा है। रही–सही कसर पराली का प्रदूषण पूरा कर दे रहा है। बच्चों से लेकर बड़ों तक को मौसमी बीमारी हो रही है। शाम होते ही तापमान में गिरावट आने लगती है। भोर तक कंपकंपी बढ़ा देती है। दिन में हल्के कपड़े भले पहने लेकिन सुबह और शाम मोटे व ऊनी कपड़ों का प्रयोग हो रहा है। इस प्रकार का मौसम बना रहा तो जल्द ही ठंड का असर काफी बढ़ जाएगा। नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर अमरनाथ मिश्र ने बताया कि आगामी 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। हवाएं पश्चिमी दिशा से चलेंगी। इसी के साथ गलन और भी बढ़ेगी।

12 छात्रों का चयन इंजीनियरिंग ट्रेनी के लिए हुआ

संवाददाता–अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के 12 छात्रों का चयन प्रतिष्ठित कंपनी यूनिक इंफ्रा इंजीनियरिंग इंडिया प्रालि में ग्रेजुएट इंजीनियरिंग ट्रेनी के पद पर हुआ है। सभी छात्रों को कंपनी की ओर से नियुक्ति पत्र सौंपा गया। चयनित छात्रों ने कौटिल्य प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल से मुलाकात की। कुलपति ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। अवध विवि के चयनित छात्रों में अर्पित यादव, नितिन कुमार, निशार अली, राजन यादव, अखिलेश वर्मा, शुभम तिवारी, भरत वर्मा, आशुतोष श्रीवास्तव, अतुल वर्मा, धीरेन्द्र मौर्य, दिवाकर त्रिपाठी व विकास मौर्य शामिल हैं। इस उपलब्धि पर कुलपति ने कहा कि संस्थान में पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करें। सभी संस्थान की आवश्यकता बनें। निश्चित ही सफलता आपके कदम चूमेगी। आईईटी के निदेशक प्रो. एसएस मिश्र ने बताया कि कंपनी में छात्रों का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के उपरांत किया गया है। इस दौरान विभागाध्यक्ष अमित सिंह, कन्हैयालाल पांडेय, सौहार्द ओझा, प्रिंस पोद्दार, डॉ. नवीन पटेल, मानवेन्द्र प्रताप सिंह व अन्य ने बधाई दी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406, ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com